

गुन पतिसाह नामौं

2 हरीदास बाजीद की सारी उलटी रीति॥
साधां सेथी ना मिलै पतिसाहां स्यौं प्रीति॥ 1॥

चौपई प्रति उत्तर की

2 तौ पतिसाह साध हैं, लोई। इनकैं दरस परस सुख होई॥
जोग भोग में ताप न तपिये। तसबी हाथ नाथ कौं जपिये॥ 2॥
मिहरि महौबति चोखै चित। दाम फकीरहि दीजिहि नित॥
2 जोगी जंगम स्वामी सेख। बिमुख न जाहिं द्वार तैं, देख॥ 3॥
माथै तिलक, सुमिरनी हाथ। आय आसिका दैहैं नाथ॥
2 फेर साहि कै कबहुँ न कीजे। भोमि-दान बिप्रन्य कौं दीजे॥ 4॥
साचहुँ कहत, सुनहुँ दै कान। जहँ कछु मिहरि तहां दीवान॥

o Pothikhānā, nr. 3784, ff. 2v-5v (K₃) • The manuscript does not use the anusvār but I change the anunāsiks into anusvārs whenever the metre requires it.

1.1 उलटी] conj. <ठ>लटी K₃ 1.0 प्रति] conj. प्रत्य K₃ 3.1 दाम] conj. [दां/दो]म K₃ 3.2 बिमुख] conj. बिमख K₃ 4.2 कबहुँ] em. कबहुँ unnm. K₃ 5.1 साचहुँ] em. साचहुँ unnm. K₃ • जहँ] em. जहां unnm. K₃ •

1.1 हरिदास [S] 1. adj. God's slave; 2. m. the devotee Haridas Niranjani (VS1612-1700 CHECKNeha Baid) (says). 1.2 साध [sādhu-] 1. Br. adj. virtuous; 2. m. ascetic, Sadhu सेथी (से) Raj. postp. with. स्यौं (से) [saha, Br. saun] Dhundh. postp. with. 2.1 परस [sparśa-] Br. m. touching (the feet); 2.2 तसबी [A tasbīh x Guj. bī, H bīā] E.H. m. "glorifying" a rosary. 3.1 चोखै चित्त Br. obl. (with) sincere mind; दाम [dramma-] m. 1. value; 2. (here:) wealth; दीजिहि (देता है) [dadāti] v.t. reg. pres. gives. 4.1 सुमिरनी (स्मरणी) [S] Br. f. rosary. आसिका (आशीष) [S] reg. f. blessing. 4.2 फेरना [*pherayati] v.t. to turn away, to reject; फेर करना idiom. (?) to turn away from; फेर साहि कै CHECK the emperor never turns one away; भोमि (भूमि) [S] f. poet. land. बिप्रन्य (विप्रों) [vipra-] reg. m. pl. obl. Brahmins (scanned as a dactylic word). दीजे (देता है) [dadāti] v.t. reg. pres. he gives. 5.1 दीवान [P] m. royal court;

बाग बावरी बकसहि कूवा । धनी धरम तैं जानि न जूवा ॥ 5 ॥	2
जाचिग आस लागि कै आवै । बस्तर अनं रुपइया पावै ॥	
हैदू, तुरक, मुनिस क्या जोई । ना महरूम न रहई कोई ॥ 6 ॥	2
कोउ आय किनि मांडै हाथ । खोलि खजीनां बैठ्यौ नाथ ॥	
स्याहैं गनैं न तौ यह सेत । जैसैं तरफर सब कौ देत ॥ 7 ॥	2
पर कै काज्य धरी है देह । घोरि घोरि बरसै ज्यौं मेह ॥	
घट पट अंतर रहै न सूल । साहि सबनि कौं सींचहि मूल ॥ 8 ॥	2
दिन प्रति दान पुनि स्यौं नेह । छाया कबहुं न आवै छेह ॥	
साहि सरोवर, मछरी लोई । अंग संग जियहि, कहत सब कोई ॥ 9 ॥	2
निसदिन जीव पीव के सीचैं । किरपन की ज्यौं मुठी न भीचैं ॥	

6 Cf. Padmāvat 17.6 (description of Sher Shah's rule). 9 Cf. Padmāvat 17.7.)

5.2 कूवा] *em.* कूवा unrh. K₃ 6.1 बस्तर] *em.* बस्तर unrh. K₃ • रुपइया] *em.* रुपईया unrh. K₃ 6.2 क्या] *em.* कहा unrh. K₃ • महरूम] *conj.* मह(रु)म K₃ 8.2 रहै] *em.* है (hapl.) K₃ 9.1 पुनि] *em.* पुनि unrh. K₃ • कबहुं] *em.* कबहू unrh. K₃

5.2 बाग [P] m. garden. बावरी (बावली) [vāpī-] Br. m. large masonry well. बकसहि (बख्शाता है) [P] reg. v.t. pres. bestows (gardens and large and small wells). जूवा [P judā] Raj. adv. separate. धनी... don't consider the master to be different from dharma. 6.1 अनं (अन्न) [S] m. food. 6.2 मुनिस [manuṣya-] CHECK reg. m. man (cf. muniṣa in 15.2); क्या conj. or; जोई (जोय) [yuvati-] f. woman. महरूम [A] adj. deprived, denied. ना... न poet. (?) does not. 7.1 किनि (चाहे) One may even... मांडना CHECK Raj. [mardati] v.t. 1. to rub; 2. Br. to stir up (hostilities). हाथ मांडना idiom. Raj. to stretch out the hands to ask खजीना [A] m. treasury. 7.2 तरफर (तरपर) [tala-, para-] poet. adv. 1. up and down; 2. continuously. 8.1 कै काज्य reg. postp. for the benefit of; घोर- Br. v.i. to make a rumbling sound. 8.2 घट पट अंतर Br. CHECK सूल (?) [śūla-] Br. m. 1. thorn; 2. fig. annoyance. 9.1 दिन प्रति (प्रतिदिन) [S] poet. adv. every day, always; पुनि (पुण्य) [S] m. 1. meritorious act; 2. welfare, happiness; 3. altruistic act; दान पुनि CHECK 1. donation and spiritual merit; 2. reward for good qualities; 3. (accumulating) merit through donations; छाया [S] f. 1. shadow; 2. fig. protection. छेह (छेव) [cheda-] m. 1. cut; 2. fig. end, destruction. 9.2 अंग संग जियहि CHECK Br. he lives close together with them. 10.1 जीव (जीता है) [jīvati CHECK] v.i. reg. pres. he lives; पीव के सीचैं Br. nurtured by the loved one. किरपन (कृपण) [S] 1. adj. miserly; 2. m. miser. भीचना [cf. *bhicc-] v.t. 1. to press, to hold tightly; 2. to clench (the fists).

2 पर की, भिया, निवारहि ताप। जहां खैरि तहां खालिक आप॥ 10॥

पुनि मुकति की खोलै पौरि। पुनि उपाधि न उठई औरि॥

2 पुनि पदारथ, पुन हैं लाल। पुनैं बांचै याकौ काल॥ 11॥

फिरि देखि, भिया, सब ठौर। पुनि सरीखी बस्त न और॥

2 साच कहत हैं बिसवा-बीस। पुनि बडौ कीयौ जगदीस॥ 12॥

प्रातकाल उठि लीजै नांव। दाता हरि की दूजी ठांव॥

2 गरथ अरथ साहिब कैं लावै। ताकी महिमा कहत न आवै॥ 13॥

गरथ अरथ दीवान के हित स्यौं लावै लोय॥

2 ताकौ दरसन देखतैं पाप न रहई कोय॥ 14॥

[तौ] जाकौ दान पुनि स्यौं चाव। बिधना ताकौ दरस दिखाव॥

2 हाथ जोरि कैं कीजै सेव। मनिष नही वह परतखि देव॥ 15॥

इई भूत जानहु तुम, जीव। पर कैं दुख पघरै ज्यौं घीव॥

10.2 भिया] *em.* भीया unnm. K₃ • तहँ] *em.* तहां unnm. K₃ • 11.1 पुनि उपाधि] *em.* पुनि ऊपाधि unnm. K₃ 11.2 पुनि] *em.* पुनि unnm. K₃ • पुन] *em.* पुनै unnm. K₃^{ac}, पुन/नं] K₃^{pc} • पुनै] *em.* पुनै unnm. K₃ 12.1 फिरि... सब] unnm. K₃ • देखि] *conj.* देखि/खी] unnm. K₃ • पुनि] *em.* पुनि unnm. K₃ • न] K₃^{pc}, *om.* unnm. K₃^{ac} 14.2 दरसन] *em.* दरस्न unnm. K₃ 15.1 दरस] *em.* दस unnm. K₃

10.2 खैर [A] f. wellbeing. खालिक [A] m. E.H. Creator, God. 11.1 पौर [*pradura] f. gate. उपाधि CHECK [S] f. 1. distinguishing attribute (McGr); 2. disturbance (BKS). पुनि उपाधि... CHECK reg. 1. nothing else can have the characteristics of meritorious act; 2. by meritorious acts no other the characteristics arise. 11.2 बांच- (बचना) [vañcati] Av. Br. v.t. to escape, be saved (McGr); पुनै... It is his meritorious deeds that save him from death. 13.1 दाता [S] m. donor, benefactor; ठांव [sthāman-] m.f. place. 13.2 गरथ [? granthi-] Raj. n. money, wealth. अरथ [artha-] Raj. postp. for the purpose of. साहिब कैं लावै CHECK Br. the master makes and brings. 14.1 दीवान CHECK [AP] m. 1. royal court (of the True One: the judgement of God); 2. God as the sovereign, all-knowing and exacting judge (Cf. in Kabīr sakhi 21.2, Dādū pads) (DB). 15.1 दस दिखाव apa. (?) shows tenfold. 15.2 परतखि (प्रत्यक्ष) [S] Br. adj. visible. 16.1 इई (यही) reg. emph. pron. this very, the same. भूत [S] m. great devotee or ascetic (McGr).

- इनकी सरिभरि कौ निहि बीये । रचि पचि आप बिधाता कीये ॥ 16 ॥ 2
- पाव प्रभू कें पकरे गाढे । द्वारैं रहैं दरसनी ठाढे ॥
और ठौर देख्यौ सुख नांहि । पंखी तरवर तजि कहैं जाहिं ॥ 17 ॥ 2
- कलपब्रिछ कलि भीतरि आया । जोगी जती बिलंबे छाया ॥
दही दूध अर चोखे चांवर । आसन बैठे अपरहि रावर ॥ 18 ॥ 2
- जन के तन महि रही न मूरि । भागी भूख , भिया हो , दूरि ॥
जहांगीर जू कीयौ करौ । दारिद दुक्ख रहै क्यों नेरौ ॥ 19 ॥ 2
- साहि , भिया , रूपे की रेल । दारिद दुक्ख डारई पेल ॥
अतित अभ्यागत डोलहि साथ । षट दरसन की दिल लैं हाथ ॥ 20 ॥ 2
- बदन बिलोकहि दिन अर रैन । तिरषा गई , भयौ चित चैन ॥

16 Cf. Padmāvat 17.7.)

17.2 कहैं] *em.* कहाँ unnm. K₃ 19.2 दुक्ख] *em.* दुख unnm. K₃^{pc}, दुष (कैं) unnm. K₃^{ac}
20.1 रूपे] *em.* रूपे unnm. K₃ • दुक्ख] *em.* दुख unnm. K₃ 20.2 अतित] *em.* अतीत
unm. K₃ • लैं] *em.* लैहि (ditt.) K₃

16.2 निहि (नहिं) reg. interj. no. बीय (द्वितीय) [S] Raj. second. इनकी... बीये
reg. there is no second to match him. रचि पचि आप बिधाता कीये CHECK reg. The
creator himself made him with great care. 17.1 गाढे [H gāḍhā] adv. firmly (BHK);
दरसनी 1. [darśanī-] m. one who wants to have darshan (BKS); 2. [darśanīya-] Raj. m.
holy man, renunciant; 17.2 तरवर [S] poet. m. tree. कहैं Br. interr. where?
18.1 बिलंबणो [ad. vilamba-] Raj. v.i. 1. to spend time; 2. to be attracted to, to aspire
for. 18.2 चांवर (चावल) [*cāmala-] reg. m. rice. आसन बैठे अपरहि रावर CHECK
(?) he gives royal seat to those who were not his own. रावर [rājakula-] adj. Av. Br.
your (own). 19.2 करौ (का) CHECK [kārya-] 1. Raj. postp. (genitive particle);
2. here: (?) one's own. 20.1 साहि (शाह) [P] Br. m. emperor. रूपे (रूपये)
CHECK [rūpaka-] m. money. रेल [cf. H relnā] f. 1. crowd; 2. fig. abundance. पेलना
[prelayati] v.t. 1. to shove; 2. to push away, to extinguish. 20.2 अतित (अतिथि) [S]
m. (unexpected) visitor. अभ्यागत [S] m. 1. visitor; 2. holy man. डोलहि (? डोलहिं)
v.i. reg. pres. 1. spends time together; 2. CHECK pl. spend time together. षट दरसन
Br. six types of philosophers (i.e. yogis, wandering ascetics, Jains, Buddhists, Naths and
Brahmans) (BKS). दिल [P] f. 1. heart; 2. ? essence (Cf Keshav). की दिल लैहि हाथ
CHECK Br. 21.1 बिलोकहि (बिलोकता है) [vilokayati] poet. v.t. reg. pres. (the
visitor) looks (at his face). तिरषा (तृषा) [S] f. thirst.

- 2 सुखसागर की छांवहि तीर। ते प्यासे क्यों मरई, बीर॥ 21॥
 साहै दुवा दैहि दिन राती। बनिजारनि की छुटी जगाती॥
 2 जित कौ ईछा तित कौ जाहि। दानी पल्लौ पकरै नाहि॥ 22॥
 गंगा अंग पखारहि, लोई। तरन बिरध पुरिसा क्या जोई॥
 2 दान न लागै कोडी कानी। अकर कियौ तीरथ कौ पानी॥ 23॥
 मारग में जाख्यौ नहि मूरि। रवि परगास तिमर भौ दूरि॥
 2 हाथनि टोडर, पाइल पाव। सौनों निसंक उछारत जाव॥ 24॥
 द्यौस चलौ भांवै कै राती। तन कौ बाव न लागै ताती॥
 2 कंटक रह न, न पांवहि मूरी। चोर पटपरा दीजिहि सूरी॥ 25॥

24 Cf. मारग मानुस सोन उछारा Padmāvat 15.

21.2 नीर] conj. तीर K₃ 22.1 छुटी] em. छूटी unnm. K₃ 22.2 पल्लौ] em. पलौ unnm. K₃ 23.1 गंगा] em. गंग unnm. K₃ • क्या] em. कहा unnm. K₃ 23.2 कियौ] em. कीयौ unnm. K₃ 24.1 जाख्यौ] em. (ज्वा)ख्यौ K₃ • भौ] em. भयौ unnm. K₃ 24.2 सौनों निसंक] unnm. K₃ • उछारत] conj. उछा/च्छा]रत K₃ 25.1 कै] em. केइ unnm. K₃ 25.2 पटपरा] conj. प[टप/घ]रा K₃

21.2 सुखसागर [S] poet. m. ocean of bliss. छाँव (छाया) [S] f. 1. shade; 2. protection. तीर [S] m. (? f. cf. Rājkr̥t 15.2) 1. shore; 2. edge (McGr), corner (BKS). की छांवहि तीर CHECK Br. the shore is under the protection of (the ocean of bliss); की छांवहि नीर CHECK (Would this be a better reading?) 22.1 साहै (शाह को) Br. m. obl. to the emperor. दुवा (दुआ) [A] f. blessing. बनजारा [*vaniṣyakāra-] Raj. m. merchant. जकात [A] f. tax, levy. 22.2 दानी [? dāniya-] Br. Raj. m. collector of levy. पल्लौ (पल्ला) [palla-] Raj. m. edge of a garment. पल्ला पकड़ना idiom. to detain. 23.1 पखारना [prakṣālayati] v.t. to wash. तरन (तरुण) [S] reg. adj. poet. young. बिरध (वृद्ध) [S] adj. Br. old. पुरिसा (पुरुष) [S] m. man. जोई (जोय) [? yuvati-] f. woman. 23.2 दान [S] Br. m. levy, tribute. कौडी [kapardikā-] f. cowrie. कानी कौड़ी idiom. 'broken cowrie', a farthing. अकर [S] adj. exempt from taxes. 24.1 जाख्यौ CHECK [] v. robbery (BKS). 24.2 सौनों (सोना भी) CHECK [suvarṇa-] poet. m. emph. also gold. उछारना (उछालना) CHECK [*ut-śālayati] v.t. 1. to throw up; 2. here: (?) to display (Cf. H uchalnā 'to be evident'). 25.1 भांवै (चाहे) CHECK reg. or even (at night). केइ (कोई) var. Br. pron. someone. 25.2 न पांवहि मूरि CHECK. (?) कंट करह न, न पावहि CHECK. पटपरा (बटपार) [H bāt, mārṇā or paṇā] poet. m. highwayman. पघर- (पकड़ना) CHECK var. [*pakkaḍ-] reg. v.t. 1. to catch, 2. to arrest. सूली देना idiom. to impale, to hang.

- सबल निबल कौं देई आंटी। ताकी बरी न आवै बांटी॥
 टेढी टोपी जे म्हा मीर। जोर जुलम करि सकत न बीर॥ 26॥ 2
- पातिसाह की ठाढे पौरि। मानिस कोउ न मारहि दौरि॥
 कुंजर किये पकरि कै कीरी। खलक फिरै हाथनि कै नीरी॥ 27॥ 2
- कीरति साहि सलेम की जग जंपै सब कोय॥
 कुंजर ते कीरी किये फिरहि पगन तर लोय॥ 28॥ 2
- [तौं] गैवर किये, भिया हो, गाय। कोउ न मारै केहूँ धाय॥
 तेज साहिब [कै] तपाई जन। बैर भाव राखै क्यों मन॥ 29॥ 2
- जहांगीर तैं डरई सारे। मुघल पठान बिरध क्या बारे॥
 फूँकि फूँकि पग धरई लोई। चीटी चूरि न चलई कोई॥ 30॥ 2
- जोई देखै सोई भागै दूरि। जग पग ऊपरि धरैं न मूरि॥
 जैसी बाघनि तैसी चीटी। जरती आगि जाय क्यों भींटी॥ 31॥ 2

30 Cf. चाँटहि चलत न दुखवइ कोई Padmāvat 15.1 31 Cf. दूवर बरिअ दुनहुँ सम राखा Padmāvat 15.

26.2 म्हा] *em.* महा unnm. K₃ 27.2 किये] *em.* कीये unnm. K₃ 28.2 किये] *em.* कीये unnm. K₃ 29.1 किये] *em.* कीये unnm. K₃ • भिया] *conj.* भया K₃ • कोउ] *em.* कोऊ unnm. K₃ • केहूँ] *em.* केहूँ कूं unnm. K₃ 29.2 साहिब कै] unnm. K₃ • तपाई] *em.* तपई unnm. K₃ • बैर] *em.* बैरा unnm. K₃ 30.1 क्या] *em.* कहा unnm. K₃ 31.1 ऊपरि] *em.* उपरि unnm. K₃

26.1 निबल (निर्बल) [S] reg. adj. weak. आंटी CHECK [*aṇṭa-] f. 1. twist, bunch (of grass); 2. 'leg trick' (in wrestling), kick; 3. trap; 4. obstacle; 5. fold (of material, serving as pocket). बरी CHECK f. 1. [H bārī] f. turn; 2. Raj. kind of grass (McGr). बांट [cf. H bāmṭnā and vaṇṭa-] f. 1. dividing, 2. share. बांटी CHECK [] v.. 26.2 टेढी टोपी wearing the hat at a jaunty angle (showing high status). 27.1 पौर [*pradura-] f. door. दौड़णो [dravati, H duaṇṇā] Raj. 1. v.i. to run; 2. to attack, to commit robbery. 27.2 कुंजर [S] poet. m. elephant. कुंजर... कीरी Br. he caught the elephant and made it into a worm. नीरी [nikaṭa-] reg. adv. near. खलक... CHECK (?) The Lord roams near one's hands. 29.1 गयवर (गजवर) [S] poet. m. big elephant. धाव- [dhāvati] Av. Br. v.i. 1. to run; 2. to attack (Platts) (cf. H dhāvā). 29.2 तेज [ad. tejas] m. strength; बैरा (वैर) var. [S] poet. m. enmity. 30.2 चूर- [*cūrayati] v.t. Av. Br. Raj. to smash. 31.1 जग पग ऊपरि धरैं न CHECK [] v.. 31.2 जैसी बाघनि तैसी चीटी Br. as the tiger so is the ant (there is no difference between the two). भींटणो Raj. v.t. to touch (the burning fire, i.e. the Emperor);

- बकरी सिंघ रहें इक साथ। गर मैं गरौ हाथ मैं हाथ॥
 2 जोर जुर्म करि सकै न कोई। पाल बाल की निकसै लोई॥ 32॥
 सत्रु साहि के पकरे गाढे। घर आंगन कहि क्यों ह्वै ठाढे॥
 2 हाथ हथकरी, बेरी पाग। मानहुँ जरे पिटारैं नाग॥ 33॥
 परबत किये पकरि कै राई। गरब गुमान रह्यौ नहिं काई॥
 2 हुकम साहि कौ सोइ कबूल। डार छाडि कै पकर्यौ मूल॥ 34॥
 गारैं अपनै गनै न और। ताकी तौ कहूँ रहै न ठौर॥
 2 अब सब छाडि बिचारहु ऐसी। रबि परगास तरइयां कैसी॥ 35॥
 टेढे चले बिषै रस बीधे। ते तौ पकरि किये जन सीधे॥
 2 मीर मलिक राना क्या राई। द्वारै खरे रहै इक पाई॥ 36॥
 पतिसाहि स्यों कीनी टेक। हिरदैँ हुकम न राख्यौ येक॥
 2 जहां जहां गौ तहँ तहँ लूथ्यौ। अंति सुकरन सरनहीं छूथ्यौ॥ 37॥

32 Cf. गउव सिंघ रेंगहिं एक बाटा Padmāvat 15.

33.1 सत्रु] conj. सत्र K₃ 34.1 परबत] em. प्रबत unnm. K₃ • किये] em. कीये unnm. K₃ • नहिं] em. नही unnm. K₃ 34.2 हुकम] conj. हूकम unnm. K₃ • सोइ] em. सोई unnm. K₃ 35.1 कहूँ] em. कहूँ unnm. K₃ 35.2 तरइयां] em. तरईयां unnm. K₃ 36.1 किये] em. कीये unnm. K₃ 36.2 क्या] em. कहा unnm. K₃ 37.1 पातिसाहि] K₃^{pc}, (हपा)तिसाहि K₃^{ac} 37.2 गौ तहँ तहँ] em. गयौ तहां तहां unnm. K₃

32.1 गर मैं गरौ (गले पर गला) reg. 'neck to neck' embracing. 32.2 पाल (पाली) [S] f. 1. dike, embankment (to confine water for irrigation); 2. boundary, limit; 3. cock fight; पाल... CHECK [] v.. 33.1 सत्र var. m. 1. [śatru] Raj. m. enemy; 2. [sattra-] Vedic sacrifice; 3. place where food is distributed. गाढे [H gāḍhā] adv. firmly (BHK); 33.2 हथकड़ी f. handcluff. पिटारा [*petṭāra-] m. large woven basket with a lid. 34.1 प्रबत (पर्वत) [S] reg. m. mountain. राई [rājikā-] f. 1. mustard seed; 2. tiny particle, grain (Cf. rāi se parvat karnā 'to make a mountain out of a molehill'); 34.2 डार [S] f. branch. 35.1 गारो (गर्व) [S] reg. m. pride; गारैं अपनै गनै न और CHECK (No place remains for the one) who in his pride does not consider others. 35.2 सब छाडि CHECK reg. abandoning all (other ideas); तराइन (तारागण) [S] m. multitude of stars. 36.1 सीधा करना idiom. to punish, to set to rights. 36.2 इक पाइ idiom. 'on one foot' humbly. 37.1 टेक [H ṭeknā] Raj. f. stubbornness (i.e. stubborn opposition). हिरदैँ हुकम न राख्यौ येक CHECK did not accept any of his orders in his heart. 37.2 अंति [anta-] m. (obl.) in the end. सुकरन [A śukran] reg. m. thanks, gratitude (BKS); सरनहीं छूथ्यौ CHECK (the enemy) is released when taking refuge (with gratitude);

जहांगीर तन कीयौ गौन । रांनां लगै न तातौ पौन ॥	
आपन साहि पकरि कै बांह । चरन कँवल की राख्यौ छांह ॥ 38 ॥	2
धनही धरी, भिया हौ, दूरि । जन तन बान न सांधै मूरि ॥	
अदलि साहि की आयौ वोट । ताकौं करि न सकै कोउ चोट ॥ 39 ॥	2
जिनि के चित चरननि कौं लागा । तिनके, भिया, भले हैं भागा ॥	
कलपब्रिछ की बैठे छाया । तातौ पौन न लागै काया ॥ 40 ॥	2
पातिसाहि के पकरैं पाई । सो फिरि फिरि गोता क्यों खाई ॥	
जगत-समंद भर्यौ दुख-नीरा । खेवट-साहि लगावहि तीरा ॥ 41 ॥	2
ज्यौं ही त्यों ब कही तोहि, सेख । या महि, भीया, मीन न मेष ॥	
जहांगीर जौ पकरै हाथ । दारिद दुख न रहई साथ ॥ 42 ॥	2
चितवहि क्रिपा-कटाछि जौ होइ रंक तैं राव ॥	
तातैं सेवा जोग हैं जहांगीर के पाव ॥ 43 ॥	2

39.2 कोउ] unnm. K₃ 40.1 भिया] em. भीया unnm. K₃ 41.2 समंद] em. समद unnm. K₃ 42.1 तोहि] unnm. K₃ • भीया] em. भिया unnm. K₃

38.1 तन [-tanah] Br. postp. towards. रांनां CHECK [aranyaka-] Raj. m. (obl.) 1. desolate place, wilderness; 2. adj. wild-growing, deserted; 3. two-eyed; 4. CHECK [rāṇā] m. the ruler of Mewar. 39.1 धनही धरी CHECK Br. he keeps his bow (distant); तन [-tanah] Br. postp. towards. सांधणो (साधना) [sādhnoti] Raj. v.t. to aim (with an arrow). 39.2 अदली [cf. A 'adl "justice"] 1. Av. m. justice (McGr); 2. adj. poet. just, righteous (BHK). ओट [*otṭā-] Raj. f. protection. 41.1 गोता खाना idiom. 1. to dive; 2. to be deceived. 42.1 ज्यौं ही त्यों CHECK idiom. exactly as it is (i.e. as I know, as I saw). सेख CHECK [] v.. मीन-मेख [S] m. slight distinction or hesitation. 43.2 जोग (योग्य) [S] adj. Br. worthy of.